आपके पत्र

ज्ञान का सागर

विज्ञान प्रगति का विश्व प्राणी दिवस पर विशेष अक्तूबर 2010 का अंक मिला। रोचक जानकारियों से भरपूर इस अंक को पाकर ऐसा लगा कि जैसे ज्ञान का सागर हाथ लग गया हो। इस अंक में डॉ. होमी जहांगीर भाभा के बारे में बहुत कुछ जानने को मिला। मन में प्रेरणा आयी कि उन्हीं की तरह हम भी अपने देश के लिए कुछ अच्छा करें। मनीष मोहन गोरे द्वारा लिखित विशेष लेख 'पक्षियों का प्रवास' बहुत पंसद आया तथा आमुख कथा 'जब तेल पसरता है' और विज्ञान क्विज़ 'सांप ही सांप' भी काफी रोचक लगी।

श्री अरुण कुमार पालीवाल, ग्राम- आ.शा. पडरा, पोस्ट- टटीरी मण्डी, जिला - बागपत (उ.प्र.) [मो. : 9953109324; ई-मेल : arunpaliwalgkv@gmail.com]

रोचक अंक

मासिक पत्रिका विज्ञान प्रगति का अक्तूबर 2010 का विश्व प्राणी दिवस पर विशेष अंक पढ़ा तो काफी रोचक जानकारी मिलीं। इस अंक की आमुख कथा 'जब तेल पसरता है', को पढ़कर ज्ञात हुआ कि जहाजों के आपस में टकराने से तेल का रिसाव हो गया और समुद्र की लहरों पर तेल पसर गया जिससे बहुत बड़ी संख्या में जीव-जन्तु मारे गये, इससे मन काफी आहत हुआ। विज्ञान प्रगति समय-समय पर होने वाली घटनाओं का बोध कराती रहती है। महाविभूति सुब्रमन्यन चन्द्रशेखर द्वारा खगोलिकी के क्षेत्र में की गई उपलब्धियों के बारे में जानकर काफी अच्छा लगा। रोचक जानकारी के अंतर्गत 'ऊंची छलांग लगाने में माहिर : कंगारू' को पढ़कर कंगारू के विषय में नयी जानकारी मिली। विज्ञान प्रगति का प्रत्येक अंक ज्ञानदायक तथा रोचक जानकारी से पूर्ण होता है। इसके लेख तारीफ के काबिल होते हैं। मैं इस पत्रिका की शुक्रगुज़ार हूँ क्योंकि यह पत्रिका समय-समय पर अनेक रोचक तथा ज्ञानवर्द्धक जानकारी पेश करती है। मैं हमेशा इस पत्रिका के लिए सच्चे दिल से दुआ करती हूँ कि यह सदैव इसी प्रकार सफलता के शिखर पर बढ़ती रहे।

कु. आफरीन प्रवीण, सुपुत्री श्री मो. नूरकरीम, ग्राम - मिश्रोलिया, पोस्ट - चन्दन पट्टी, प्रखंड - सकरा, जिला - मुजफ्फरपुर - 843 104 (बिहार) [मो. : 07870501520]

प्रभावशाली अंक

मैं विज्ञान प्रगति का पिछले एक वर्ष से नियमित पाठक हूँ। यह पत्रिका मुझे बहुत ही प्रभावशाली एवं रोचक लगती है। अक्तूबर 2010 के अंक में 'जब तेल पसरता है' नामक आमुख कथा बहुत ही ज्ञानवर्द्धक लगी। सुब्रमण्यन चन्द्रशेखर एवं होमी जहांगीर भाभा की जीवनी पढ़कर कुछ कर गुजरने को जी चाह रहा है। विज्ञान प्रगति मुझे आगे बढ़ने में मददगार साबित हो रही है। इस अंक के 'पक्षियों का कुदरती बसेरा', 'सवाल जब-जब जवाब तब-तब', 'गुस्से में है शानदार जानवर हाथी', 'संकट में वनराज', बॉक्सिंग ग्लव्स', 'पक्षियों का प्रवास', विज्ञान क्विज़ 'सांप ही सांप' सभी काफी ज्ञानवर्द्धक एवं रोचक लगे। इतनी अच्छी-अच्छी जानकारियां देने के लिए विज्ञान प्रगति परिवार को बहुत-बहुत धन्यवाद।

श्री शुभम राज, सुपुत्र श्री शम्भू शरण श्रीवास्तव, महादेवा रोड, मालवीय नगर, सीवान (बिहार) [मो. : 09931953148, 9708121758]

ज्ञानमयी पत्रिका

मैं विगत दो वर्षों से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। विज्ञान प्रगति के माध्यम से हमें आश्चर्यजनक व ज्ञानमयी जानकारियां मिलती हैं। विज्ञान प्रगति का अक्तूबर 2010 का विश्व प्राणी दिवस पर विशेष अंक प्राप्त हुआ। इस अंक के विशेष लेख 'गुस्से में है शानदार जानवर हाथी' तथा पक्षियों का प्रवास' से अति महत्वपूर्ण जानकारी मिली। 'विलुप्ति की कगार पर गैंडे' लेख को पढ़कर बहुत अच्छा लगा तथा मन में बात उठी कि मानव अपने स्वार्थ में प्रकृति और वन्य प्राणियों को अनदेखा कर वनों का दोहन क्यों करता जा रहा है? लाखों वर्ष पूर्व डायनासोर जैसे विशालकाय जीव प्राकृतिक आपदाओं के कारण पृथ्वी से हमेशा-हमेशा के लिए विलुप्त हो गए और जो प्राणी अभी मौजूद हैं उन्हें हम अपनी गलतियों के कारण आगे नहीं खोना चाहते हैं। हमें वन्य प्राणियों व प्रकृति से मित्रता करनी चाहिए, वृक्षारोपण करें तथा इन प्राणियों के अनुकूल माहौल व इनके आवास को बनाये रखने के लिए यथा संभव प्रयास करते रहना होगा।

श्री प्रदीप कुमार पवार

जानकारियों का महासागर

मैं विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक हूँ। मुझे इस पत्रिका से गहरा लगाव हो गया है। अगर इस पत्रिका को जानकारियों का महासागर कहा जाये तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। सुन्दर एवं सटीक भाषा शैली तथा आकर्षक चित्रों के साथ व्यवस्थित विज्ञान प्रगति का अक्तूबर 2010 का अंक पढ़ा। मन प्रफुल्लित हो गया। समुद्र में फैले तेल पर शोधपरक रिपोर्ट 'जब तेल पसरता है' काफी पसन्द आई। विश्व प्राणी दिवस पर प्रस्तुत प्रत्येक लेख ने जीव-जन्तुओं के रहस्यों से भरी प्रकृति को सामने ला दिया। विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक तथा महापुरुष डॉ. होमी जहांगीर भाभा के बारे में प्रस्तुत दोनों लेख 'आओ भाभा को कर लें याद' तथा 'बहुमुखी प्रतिभा के धनी होमी जहांगीर भाभा'

बहुमुखी पत्रिका

अपेक्षा एवं बहुमुखी अन्वेषण की मिश्रित पराकाष्ठा से परिपूर्ण विज्ञान प्रगति का 'विश्व प्राणी दिवस पर विशेष' अक्तूबर 2010 अंक प्राप्त हुआ। समसामयिक विषयों पर प्रकाशित लेखों, विशेषकर आमुख कथा 'जब तेल पसरता है' के अंतर्गत दी गयी जानकारियां अपने आप में सराहनीय रहीं। अपनी बात के अन्तर्गत दी गयी सामग्री पढ़कर विज्ञान प्रगति के एक पूर्व के अंक में प्रकाशित एवं डॉ. लाल जी सिंह' द्वारा लिखी गई आमुख कथा 'हम मानव कैसे'? की यादें जीवन्त हो उठीं और हों भी क्यों न? जब अतीत में प्रकाशित स्वर्णिम अंकों द्वारा संग्रहीत स्मृति पटल पर मीठी और उत्सुकता से परिपूर्ण संवेदनाएं उत्पन्न होती हैं तो गर्वानुभूति तो होती ही है। मान्यवर, वैसे तो इस अंक में प्रकाशित सभी लेख रुचिकर जानकारियों से परिपूर्ण एवं प्रशंसनीय रहे लेकिन दो लेख 'गुस्से में है शानदार जानवर हाथी' और संकट में है वनराज', ने जो ज्वलन्त विषय हमारे सामने रखा उस पर पूरी मानवीय संवेदना के साथ विचार करने की आवश्यकता है। 'चाहे हाथियों के व्यवहार में हो रहा नकारात्मक परिवर्तन हो या फिर बाघों के अस्तित्व पर मंड़राते खतरे के निशान से उत्पन्न उनकी संख्या में कमी की समस्या, दोनों ही समस्यायों का केन्द्र बिन्दु 'पर्यावरण असन्तुलन' ही है। इस पर्यावरण असंतुलन की मुख्य वजह भी हम मानव ही हैं जो प्रत्यक्ष/ अप्रत्यक्ष रूप से अपने पारिस्थितिक संतुलन को बिगाड़ रहे हैं।

मान्यवर, आगे के अंकों में 'प्रकाश प्रदूषण' पर लेख अपेक्षित है। आशा है कि विज्ञान प्रगति आगे भी हमारी अपेक्षाओं पर खरी उतरती रहेगी। आने वाले नव वर्ष की शुभकामनाओं के साथ।

श्री उमानाव पाण्डेय, ग्राम - विशुनपुर, पो.-इटई (उतरौला) जनपद- बलरामपुर - 271 604 (उ. प्र.) [मो. : 09935107753; ई-मेल : pandey.umanath911@gmail.com]

आपके पत्र

हृदय को स्पर्श कर गये। लगा मानो भारतीय परमाणु कार्यक्रम के जनक से साक्षात्कार हो रहा है। एक नज़र के अंतर्गत 'विलुप्त आर्कियोप्टेरिक्स' तथा 'डायनासोर के जीवाश्म की खोज' बहुत ही रोचक लगे। विज्ञान क्विज़ के अन्तर्गत सर्पों के बारे में दुर्लभ जानकारियां मिलीं तथा उनके बारे में प्रचलित अन्धविश्वासों का परिष्फोटन भी हुआ। भारत में विज्ञान के प्रति जाग्रत करती तथा जानकारियों का भण्डार यह पत्रिका देश के विकास में एक कड़ी है। अधिक से अधिक लोग इस पत्रिका से जुड़ें, ऐसा हमें और प्रयास करने चाहिये ताकि राष्ट्र विज्ञान के क्षेत्र में सिरमौर बने। मेरी ओर से विज्ञान प्रगति परिवार को हार्दिक शुभ कामनाएं।

श्री अनूप कुमार शर्मा, सुपुत्र श्री अम्बिका प्रसाद शर्मा, ग्राम - बेरबई, टहरौली, जनपद - झांसी - 284 202 (उ.प्र.) [मो. : 08808833643]

प्रेरणादायक अंक

विशेष रूप से विश्व प्राणी दिवस पर विज्ञान प्रगति के अक्तूबर 2010 के अंक को प्रकाशित करने के लिए विज्ञान प्रगति पत्रिका की पूरी टीम को हमारी संस्था की ओर से धन्यवाद। इस अंक में दो महाविभूतियों की जानकारी हमलोगों के लिए काफी प्रेरणादायी रही। डॉ. होमी जहांगीर भाभा और सुब्रमण्यन चन्द्रशेखर ने कठिन परिस्थितियों में भी अपनी मंजिल को प्राप्त किया। इस लेख से इन महाविभूतियों के पदचिन्हों पर चलकर हमें भी समाज, देश और विश्व के लिए कुछ करने की प्रेरणा मिली। यह पत्रिका एक शिक्षक की तरह हमलोगों को विज्ञान, समाज और पर्यावरण से सम्बन्धित जानकारियां देती है। विज्ञान प्रगति के इस अंक में समुद्र में कच्चे तेल के पसरने और उससे होने वाले पर्यावरण के नुकसान के बारे में जानकारी प्राप्त हुई। इससे हम लोगों को शिक्षा मिली कि हमलोग भी अपने आस-पास जल के स्रोतों को सुरक्षित रखें। इस अंक में डायनासोर के बारे में जो जानकारी मिली वह काफी लाभप्रद रही। विलुप्त आर्कियोप्टेरिक्स के बारे में जानकारी भी अच्छी लगी। सांपों के काटने पर सिरिंज द्वारा प्राथमिक उपचार की जानकारी अति महत्वपूर्ण थी।

श्री शम्भु कुमार, आधुनिक विज्ञान संस्थान, हसपुरा, औरंगाबाद - 824120 (बिहार) [मो. : 09546495251]

आकर्षक अंक

विज्ञान प्रगति का विश्व प्राणी दिवस पर विशेष अक्तूबर 2010 अंक बहुत ही आकर्षक लगा। विज्ञान प्रगति के इस अंक की आमुख कथा 'जब तेल पसरता है' बहुत अनमोल लगी। महाविभूति सुब्रमण्यन चन्द्रशेखर की विज्ञान के क्षेत्र में अनुपम देन, विशेष लेख में पक्षियों का कुदरती बसेरा, विलुप्त आर्कियोप्टेरिक्स एवं डायनासोर के इतिहास, डॉ. भाभा का विज्ञान के क्षेत्र में योगदान आदि लेखों से महत्वपूर्ण जानकारी मिलीं। रोचक जानकारी में आश्चर्यजनक आर्माडिलो, विलुप्ति के कगार पर गैंडे, सवाल जवाब, एस्ट्रोटर्फ, खाद्य सुरक्षा का आधार : फसल पोषण, पक्षियों का प्रवास आदि लेख काफी आकर्षक लगे। इन लेखों के अतिरिक्त पत्रिका में अन्य विषयों पर प्रस्तुत जानकारी भी रोचक एवं उपयोगी लगी। इस महत्वपूर्ण अंक के लिए सभी लेखकगण प्रशंसा के पात्र हैं। इस महान, ज्ञानवर्द्धक, रोचक एवं आकर्षक पत्रिका को शत्-शत् प्रणाम! और इसके संचालन से सम्बन्धित सभी सदस्यों को कोटि-कोटि नमस्कार एवं धन्यवाद!

श्री मनोज गौतम, सुपुत्र श्री रामपाल गौतम, ग्रा व पो. - बेहजम, जिला - लखीमपुर खीरी (उ.प्र.) [मो : 09919999195]

सर्वोपयोगी विज्ञानकोश

जैवप्रौद्योगिकी पर विशेष सितम्बर 2010 का अंक अति महत्वपूर्ण लगा। आमुख कथा 'इंसान बना भगवान' ने सम्पूर्ण मानव जाति को सोचने पर मजबूर कर दिया। हम काफी खुशनसीब हैं कि इस अद्भुत खोज में तीन भारतीय वैज्ञानिकों का भी काफी योगदान रहा है। इस अद्भुत संग्रह के लिए अरविन्द मिश्र बधाई के पात्र हैं। कुलदीप शर्मा द्वारा लिखित 'कोहराम मचाता बादल आखिर फट ही गया' एक अनोखी घटना है। इस प्रकार की घटना से यह स्पष्ट होता है कि हमारी पृथ्वी दिन-प्रतिदिन असंतुलित होती जा रही है। हिमालय के पर्वतीय क्षेत्रों में पाया जाने वाला बहुमूल्य 'सीबकथोर्न' सचमुच अमृत तुल्य पौधा है। इस पौधे का हरेक भाग प्राकृतिक गुणों से भरपूर है। बस हमें इसे बचाये रखने की जरुरत है। हर बार की तरह इस बार भी देवकी नंदन जी द्वारा प्रस्तुत 'सवाल-जवाब' तथा 'हंसते जाओ, पेट घटाओ' काफी ज्ञानप्रद एवं मनोरंजक लगे। विज्ञान समाचार के माध्यम से दीपक कोहली ने हमें काफी रोचक एवं महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध करायी हैं, जो सराहनीय है। 'चिकित्सा विज्ञान की आधुनिक खोज' के माध्यम से विनोद गुप्ता ने नई-नई खोजों की जानकारियां प्रदान की हैं जो आने वाले समय में मानव जीवन को सरल बनाने में काफी मददगार साबित होंगी। कुल मिलाकर देखा जाय तो अद्भुत एवं रोचक जानकारियों से परिपूर्ण यह सर्वोपयोगी विज्ञानकोश निश्चय ही बायोलॉजी से संबंधित लोगों के लिए तो वरदान साबित होगी।

श्री अभिमन्यु राज सुमन, सुपुत्र श्री अर्जुन प्रसाद 'सुमन' (सुमन सदन) मो.- मिर्जापुर, जिला- नवादा - 805 110 (बिहार) [मो. : 09546909590; ई-मेल : abhiraj2010@yahoo.in]

महत्वपूर्ण पत्रिका

मैं विज्ञान प्रगति का मई 2008 से नियमित पाठक हूँ। मैं प्रत्येक माह इस महत्वपूर्ण पत्रिका का बेसब्री से इंतजार करता हूँ। मैं इस सजी, गुणी पत्रिका के माध्यम से, विशेषकर अंतरिक्ष विज्ञान के लेखों का गहराई से अध्ययन करता हूँ। इस पत्रिका में आने वाली नवीन जानकारियों को अपने परिवार और मित्रों में बांटता हूँ। विज्ञान प्रगति के सभी सदस्यों व लेखकों का मैं बहुत आभारी हूँ जो पाठकों के माध्यम से समाज में फैले अंधविश्वासों से लोगों को जागरूक बनाने का कार्य कर रहे हैं।

श्री शुभम गुप्ता, सुपुत्र श्री दिनेश गुप्ता, ग्राम व पोस्ट - बेहट, विकासखण्ड-मुरार, जिला - ग्वालियर - 475 006 (म. प्र.) [मो. : 08871302215]

ज्ञान का खजाना

विज्ञान प्रगति का जैवप्रौद्योगिकी पर विशेष सितम्बर 2010 अंक प्राप्त हुआ। 'इंसान बना भगवान' पढ़कर अति प्रसन्नता हुयी। विज्ञान के बढ़ते कदम हम सभी के लिए आशा की नई किरण की तरह हैं जो हमारे जीवन को खुशियों से भर देता है। लेख 'कोहराम मचाता बादल आखिर फट ही गया' विस्तृत जानकारी लिये ज्ञानवर्द्धक था। पत्रिका के सभी लेखों में ज्ञान का खजाना था। ज्ञान का दीपक जलाता विज्ञान प्रगति का हर अंक ज्ञानवर्द्धक रोचक व नवीन जानकारी लिये उत्कृष्ट होता है।

कु. मनीषा श्रीवास्तव 'बेबी' 117/35 क्यू ब्लॉक, एल आई सी सोसाइटी कालोनी, शारदा नगर, कानपुर - 208 025 (उ. प्र.) [मो. : 09235737216; दूरभाष : 0512-2583067]

जानकारियों का समुच्चय

ज्ञानवर्द्धन के लिये पत्र-पत्रिकाओं का विशेष महत्व होता है। ज्ञानवर्द्धन तब और भी आसान हो जाता है जब कोई ऐसी पत्रिका मिल जाये जिसमें ज्ञानवर्द्धक जानकारियों का समुच्चय हो। विज्ञान प्रगति इसी प्रकार की एक ज्ञानवर्द्धक पत्रिका है। मैं विज्ञान प्रगति की पिछले एक वर्ष से पाठिका हूँ। इसका हर अंक पिछले अंक से अधिक रोचक होता है। सितम्बर 2010 की आमुख कथा 'इंसान बना भगवान' काफी अच्छी लगी व इस लेख से महत्वपूर्ण जानकारियां भी मिलीं। इस अंक में 'कोहराम मचाता बादल आखिर फट ही गया' ने नवीन जानकारियां उपलब्ध करायीं। मैं आशा करती हूँ कि विज्ञान प्रगति इसी प्रकार पाठकों को नई-नई जानकारियों से लाभान्वित कर उनका ज्ञानवर्द्धन करती रहेगी।

कु. कविता पाण्डेय, सुपुत्री डॉ. राधामोहन पाण्डेय, आर.के. मोटर पार्ट्स, निकट स्टेट बैंक, मेन रोड, जनता मार्किट, सलेमपुर, देवरिया (उ. प्र.) [मो. : 09305186304; ई-मेल : kavitadsvv.pandey99 @ gmail.com]

पसंदीदा अंक

मैं विगत अनेक वर्षों से विज्ञान प्रगति का नियमित पाठक रहा हूँ। सितम्बर 2010 का अंक प्राप्त हुआ। आमुख कथा 'इंसान बना भगवान' पढ़कर विज्ञान के क्षेत्र में मानव के बढ़ते कदम की गर्वमयी अनुभूति हुई। इस अंक में 'कोहराम मचाता बादल आखिर फट ही गया' अत्यंत पसंद आया। देश की छत कहे जाने वाले लेह-लद्दाख क्षेत्र में रातों-रात बादल फटने से हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। इस अंक के अन्य लेख भी ज्ञानवर्द्धक लगे।

श्री शुभेश कुमार, द्वारा जे. एंड के जियो स्पेशल डाटा सेंटर (सर्वे ऑफ इंडिया), म. नं. 65, निकट जोरावार स्टेडियम, चन्नी-हिम्मत, जम्मू - 180 015 (जम्मू एंड कश्मीर) [मो. : 09419774701; ई-मेल : sk_bhasker@yahoo.in]

राष्ट्रीय विज्ञान संचार एवं सूचना स्रोत संस्थान (सी.ऐस.आई.आर.), डॉ. के. एस. कृष्णन् मार्ग, नई दिल्ली - 110012 के लिए श्रीमती दीक्षा बिष्ट द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित तथा वृजवासी आर्ट प्रेस लिमिटेड, ई-46/11, ओखला औद्योगिक क्षेत्र, फेस-2, नयी दिल्ली-110 020 एवं इकाई ए-80-81, सेक्टर-5, नोएडा द्वारा मुद्रित।